REET 2025 LEVEL-2

वंदन बैच

राज इतिहास एवं कला संस्कृति

Demo 03

प्रमुख लोक देवता

Part 03

LIVE 28-12-2024 08:00 PM

कोर्स कैसे PURCHASE करें ?

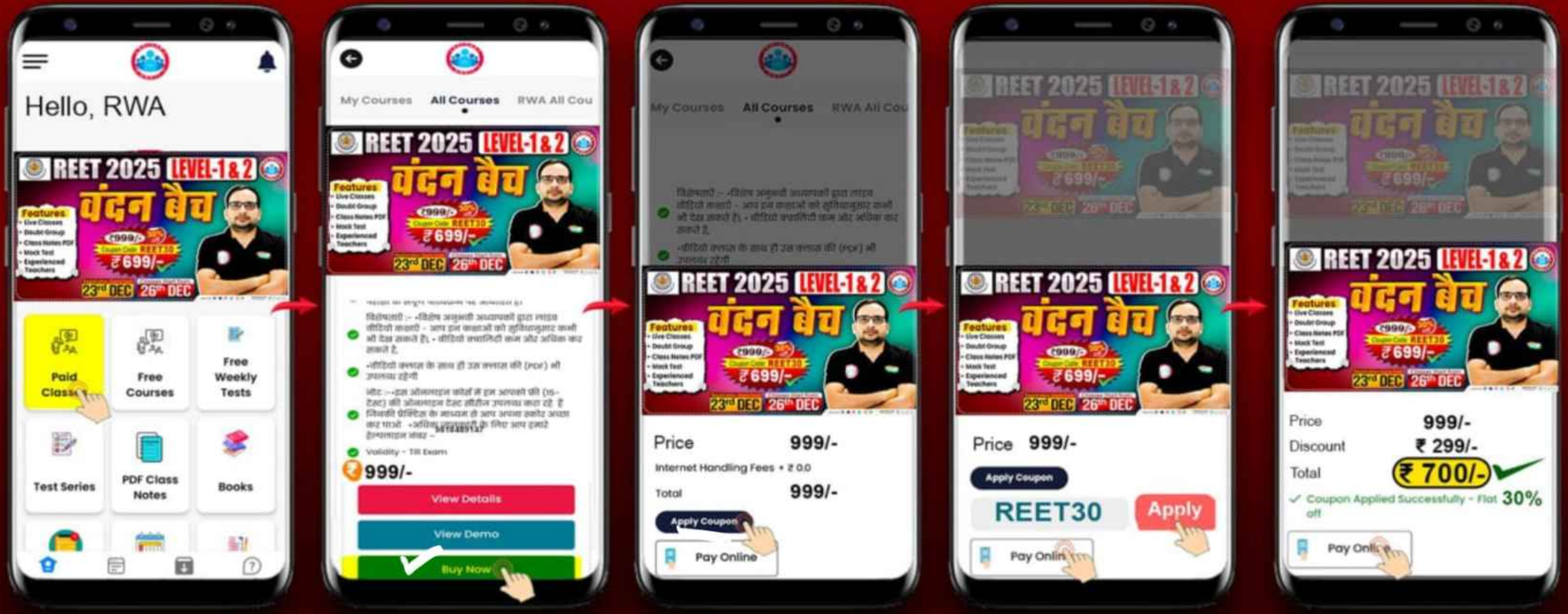

TIME TABLE

REET 2025 LEVEL-1 & 2

वंदन बैच

MATHS
L-1 07AM

GEOGRAPHY
L-2 10 AM

हिंदी
L-1&2 11 AM

CDP
L-1&2 02 PM

ENGLISH
L-1&2 03 PM

संस्कृत
L-1&2 03 PM

EVS
L-1 04 PM

PHYSICS
L-2 04 PM

MATHS
L-2 05 PM

POLITY
L-2 07 PM

CHEM+ BIO
L-2 07 PM

HISTORY
L-2 08 PM

Registration Starts from
23rd DEC

Classes Start from
26th DEC

JOIN US ON

DOWNLOAD THE RWA APP NOW

Google Play

पाबूजी महाराज

जन्म → कोलुमण्ड धाम 'फलौदी'

पिता → धाधल जी राठौड़

माता → कमल दे

पत्नी → फुलम दे | सुप्यार दे (अमरकोट)

नोट : राजस्थान में त्रिकोणीय प्रेम गाथा गीत → सुप्यार दे

घोड़ी का नाम केसर कालमी

उपनाम :

- गौरक्षक देवता
- हाड़ फाड़ देवता
- प्लेग रक्षक देवता
- ऊंटों के देवता
- राइका एं बारी जाति के कुल देवता
- नायक जाति के " "
- भोपों के कुल देवता
- लक्ष्मण के अवतार

ऊंट लाने का श्रेय
↳ पाबूजी

ऊंट के बिमार होने पर पाबू जी की पूजा ✓

ऊंटों की देवी → अन्तादेवी

→ पाबू जी के बहनोई → जिन्दराव खिंची

→ देंचु (फलोदी) देवल चारणी की गायें छुड़ाने के लिए पाबू जी जिन्दराव खिंची के साथ युद्ध लड़ा

→ सबसे कम उम्र → २५ वर्ष में वीरगति पाने वाले देवता

नोट २५ वर्ष की आयु में जीवित समाधि लेने वाले संत → जालनाथजी

→ पाबू जी के सहयोगी → चान्दा, डेमा, हरमल

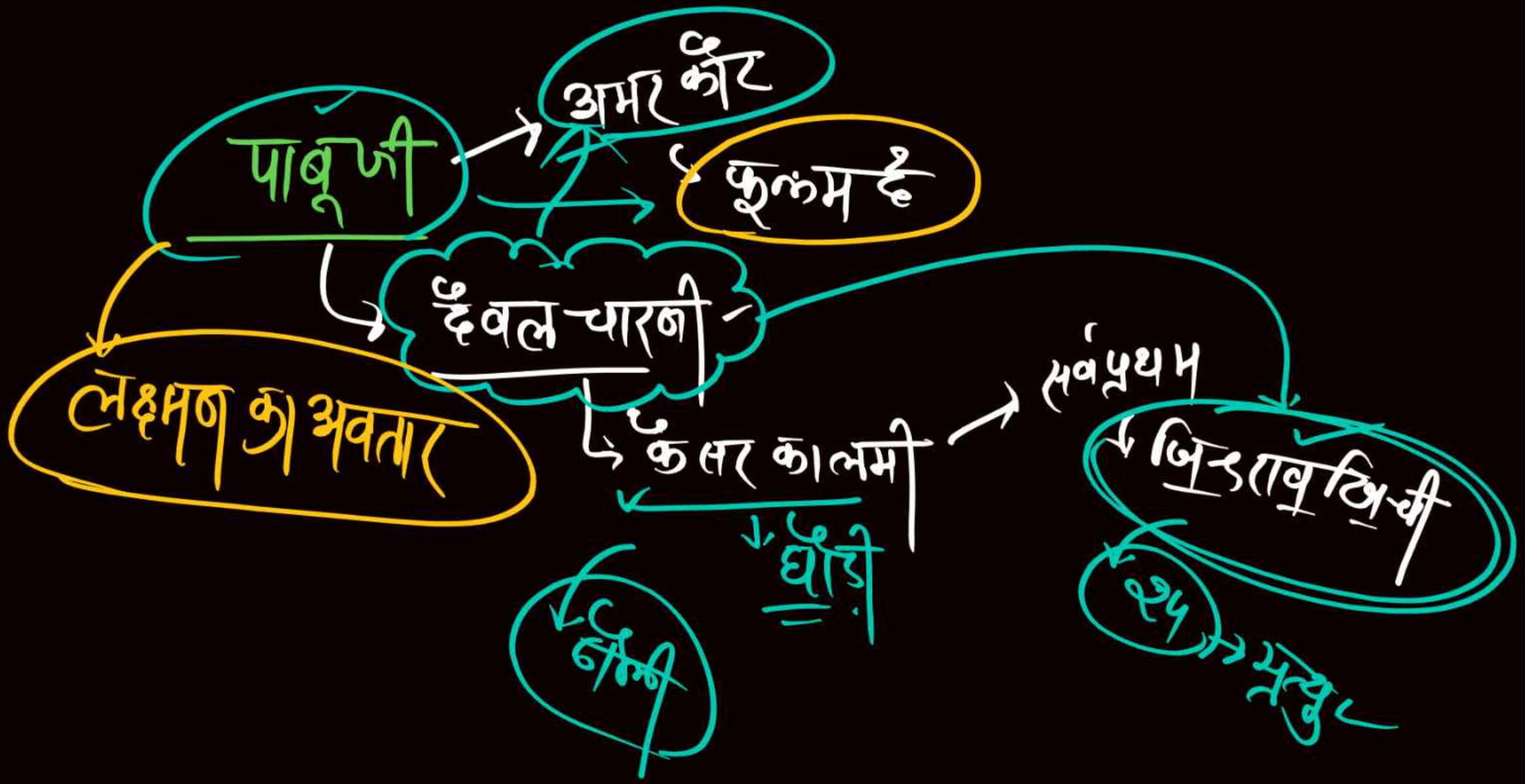

पाबूजी
अमरकोट
फूलमदे
देवल चारणी
लक्ष्मण का अवतार
केसर कालमी
सर्वप्रथम
जिन्दराव खिंची
घोड़ी

→ पाबू जी लक्ष्मण के अवतार माने जाते हैं।

→ मेला → चैत्र अमावस्या — झुकी हुयी पाग के लिए प्रसिद्ध

→ नृत्य → थाली नृत्य

→ राज० की लोकप्रिय फड़ → पाबू जी की फड़

↳ फड़ का वाचन करते समय → "रावण हत्था वाद्य यंत्र"

→ पाबू जी के पवाड़े गाते समय → माठ वाद्य यंत्र का प्रयोग

→ पाबू जी ने इंदा सुमरा के साथ युद्ध लड़ा

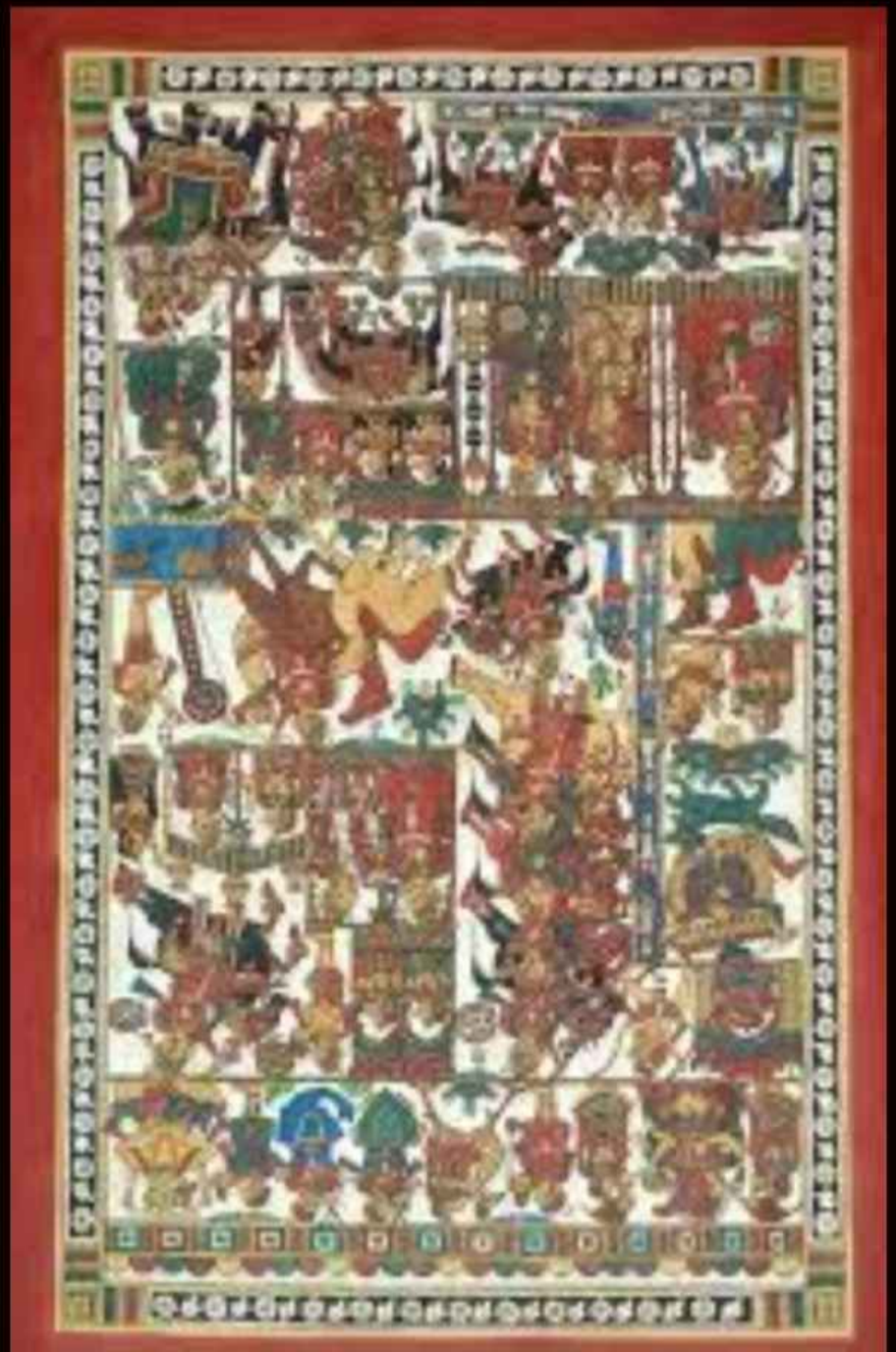

रामदेव जी महाराज → (तंवर वंशीय राजपूत)

↳ जन्म → उडुकाश्मीर शिव तह बाड़मेर
↳ पिता → अजमाल जी तंवर
↳ माता → मैणा दे
→ पत्नी → नैतल दे (अमरकोट)
→ गुरू → बाली नाथ
→ भाई → विरमदेव
→ सगी बहन → सुगणा बाई
→ धर्म बहन → डाली बाई → मैघवाल जाति
→ घोड़ा → लीला घोड़ा

→ जन्म → भाद्रपद शुक्ल द्वितीया → बाबे री बीज

→ मेला → भाद्रपद शुक्ल द्वितीया से दसमी तक

→ पांच रंग की ध्वजा → 'नेजा'

→ रामदेव जी के पगलिये पुजे जाते है।

→ समाधी → रूणेचा

→ मन्दिर → रूणेचा जैसलमेर

→ पुरी रात भजन कीर्तन → जम्मा | जागरण, ब्यावले

→ पैदल जाने वाले या भक्तों को जातरू

→ मेघवाल भक्तजन को रिखिया बोलते है।

रामदेव जी
↓
उपनाम
→ रामसा पीर
→ पीरों का पीर
→ रूणेचा रा धणी

→ प्रमुख नृत्य → तेरहताली

→ फुलड़ी → गले में धागा

→ आण → रामदेव जी की कसम

→ राजस्थान में छोटा रामदेवरा → खुड़ीवाल अजमेर

→ रामदेव जी के शिष्य → रत्ना राइका, हरजी भाटी, आईमाता

मन्दिर

↳ उडुकाश्मीर शिव तह. बाड़मेर

→ रूणेचा → जैसलमेर

→ पोकरण → जैसलमेर

→ सुरता खेड़ा चित्तौड़गढ़

→ बिराठिया (पाली → वर्तमान → ब्यावर

→ अंधारशीला रामदेव जी मन्दिर → जोधपुर

↳ मसूरिया की पहाड़ी

इसी स्थान पर पहले मेहरान गढ दुर्ग बनना तय हुआ